प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 4 मार्च 2017 को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के कलाम सेंटर में मानसिक चिकित्सा विभाग का 46 वां स्थापना दिवस समारोह का आयोजन बड़े हर्षो–उल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो0 रवि कांत, कुलपति किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। इस अवसर पर पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च, चन्डीगढ़ के मानसिक चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ0 अजीत अवस्थी द्वारा एक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य का एक–दूसरे से गहरा सम्बंध है। मानसिक रोग सम्बन्धित समस्याएं अनेक शारीरिक बीमारियों जैसे–मधुमेह, दिल सम्बन्धित विकार एवं कैंसर आदि रोगो की अवधि, रोग के सही होने की संभावना एवं उपचार को प्रभावित करते है। तनाव एवं मानसिक विकार हमारे रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करते हैं एवं हृदय सम्बन्धित रोग और मेटाबोलिक विकारों को बढ़ावा देते है।

हमारी चिकित्सा प्रणाली इस प्रकार की होनी चाहिये कि एक ही परिसर में संयुक्त संसाधनों द्वारा शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं का समुचित उपचार किया जा सके पूरे विश्व में आजकल चिकित्सा प्रणाली को इस प्रकार विकसित किया जा रहा है जिससे कि मानसिक एवं शारीरिक रोगों का उपचार साथ–साथ किया जा सके। सन्1958 में के0जी0 चिकित्सा विश्वविद्यालय में भारत में पहली बार एक जनरल अस्पताल में साईक्याट्री विभाग की स्थापना हुई थी। इस प्रारूप और सोच का काफी विकास हुआ है, पर भारत में अभी भी इस बारे में और कार्य किये जाने की आवश्यकता है।

प्रो0 अवस्थी द्वारा साईकोसेक्सुअल डिस्आर्डर एवं उनके उपचार से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर विभाग में विभिन्न कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। उन्होंने सेक्स सम्बंधित रोग जैसे कि लिंग तनाव में कमी, शीध्रपतन और सेक्स से सम्बन्धित भ्रम एवं भ्रांतियों आदि पर चार्चा किया। उन्होंने कहा कि उपरोक्त समस्याएं वर्तमान मे नवयुवकों में समान्यतया पायी जाती है। भारतीय युवा धात एवं अन्य यौन रोग से सम्बन्धित विकारों से भी चिंतित रहते हैं और गोपनियता एवं शर्म का मुद्दा इन्हे सही उपचार लेने से रोकता है।

गलत स्रोत से ली गयी यौन शिक्षा लोगों में भ्रम जैसी स्थिति उत्पन्न करती है। विज्ञान ने इन बिमारियों को समझने एवं उपचार में बहुत प्रगति की है। शीघ्र उपचार एवं देखभाल द्वारा इन्हें ठीक किया जा सकता है।

कार्यक्रम में प्रो0 रवि कांत जी मानसिक चिकित्सा, यूरोलॉजी, कार्डियालॉजी आदि को एक–दुसरे से कैसे रिलेट कर सकते है इस बारे मे बताया। उन्हों ने कहा कि अब समय संयुक्त चिकित्सा का है।

इस अवसर पर मानसिक चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 पी0के0 दलाल द्वारा विभाग का वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में अन्य उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में प्रो0 यू0बी0 मिश्रा, प्रो0 विनीता दास, प्रो0 विवेक अग्रवाल, प्रो0 एस0सी0 तिवारी सहित चिकित्सा विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षक, चिकित्सक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें। इस अवसर पर विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों और रेजिडेण्ट डॉक्टरों को सम्मानित भी किया गया।